समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

कर्नाटक मे गंन्ना किसानों का आंदोलन तेज, सीएम सिद्धारमैया ने पीएम मोदी से मांगा मिलने का वक्त

Publisher

Published on 07 Nov 2025

कर्नाटक में गन्ना किसानों का आंदोलन अब तेज रफ्तार पकड़ता जा रहा है। राज्य के प्रमुख कृषि क्षेत्रों में किसान लगातार सड़क पर प्रदर्शन कर रहे हैं और अपनी मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बढ़ा रहे हैं। किसान संगठनों का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर तुरंत कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन और तेज करने के लिए व्यापक कदम उठाने के लिए तैयार हैं।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को स्थिति की गंभीरता से अवगत कराया और किसानों की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए केंद्र सरकार से सहयोग की अपील की। यह कदम राज्य सरकार की तरफ से किसानों के हित में एक सक्रिय पहल माना जा रहा है।

किसान संगठनों का आरोप है कि गन्ना किसानों को समय पर उनका उचित मूल्य नहीं मिल रहा है, जिससे उनके आर्थिक हालात खराब हो रहे हैं। किसान लंबित बकाया भुगतान और समर्थन मूल्य में देरी को लेकर असंतुष्ट हैं। इस असंतोष ने किसानों को आंदोलन के लिए मजबूर किया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन व्यापक रूप ले सकता है और राज्यभर में कई जिलों में प्रदर्शन किए जा सकते हैं।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यह आंदोलन सिर्फ किसानों की समस्या तक सीमित नहीं है। यह आंदोलन सरकार की नीतियों और किसान हितों की प्राथमिकता को लेकर एक बड़ी परीक्षा भी है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की प्रधानमंत्री से मुलाकात इस बात का संकेत है कि राज्य सरकार किसानों की मांगों को गंभीरता से ले रही है और केंद्र से सहयोग की उम्मीद कर रही है।

किसान नेताओं का कहना है कि उन्होंने कई बार स्थानीय और राज्य सरकार से अपनी समस्याओं को हल करने का प्रयास किया, लेकिन किसी ठोस समाधान तक नहीं पहुंच पाए। इसलिए अब आंदोलन तेज करने की स्थिति में हैं। किसान संगठनों ने स्पष्ट किया है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को सामने रखेंगे, लेकिन यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो उनका आंदोलन

राज्यव्यापी प्रदर्शन का रूप ले सकता है।

कर्नाटक में गन्ना किसानों का यह आंदोलन कृषि क्षेत्र में जारी समस्याओं की एक गंभीर तस्वीर पेश करता है। किसान लंबित भुगतान, न्यूनतम समर्थन मूल्य, और खेती संबंधी अन्य वित्तीय मुद्दों पर सरकार से समाधान चाहते हैं। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती, वे आंदोलन जारी रखेंगे।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पहल और प्रधानमंत्री से मुलाकात का अनुरोध इस संकट को सुलझाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि यदि केंद्र और राज्य सरकार समय रहते समाधान नहीं निकालते हैं, तो आंदोलन और तेज हो सकता है और इसके सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव भी देखने को मिल सकते हैं।

इस समय कर्नाटक में गन्ना किसानों की मांगों और आंदोलन पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। किसानों का जोरदार आंदोलन और मुख्यमंत्री की सक्रियता यह दिखाती है कि राज्य सरकार किसानों के हित में गंभीर है, और केंद्र सरकार से सहयोग की उम्मीद कर रही है। आने वाले दिनों में इस आंदोलन की दिशा और गति राज्य और देश के राजनीतिक परिदृश्य पर असर डाल सकती है।

कुल मिलाकर, कर्नाटक में गन्ना किसानों का आंदोलन अब केवल स्थानीय मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह किसानों के अधिकारों और आर्थिक सुरक्षा की लड़ाई का प्रतीक बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की प्रधानमंत्री से मुलाकात और किसान संगठनों की चेतावनी इस बात का संकेत है कि यह मामला शीघ्र समाधान की मांग करता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.